**Dainik Bhaskar Date: 17.03.2018**

सायबर डिफेंस कॉन्क्लेव में एक्सपर्ट्स ने बताई सायबर सिक्योरिटी की जरूरत

# स्कूलों से ही स्टूडेंट्स को सायबर एटिकेट्स और सायबर हायजीन पढ़ाने की ज़रूरत

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

आज आठवीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चे क्लेश ऑफ क्लेन्स, कॉल ऑफ ड्यूटी जैसे गेम खेल रहे हैं, क्राइम से भरे सीरियल्स देख रहे हैं। स्कूल से आने के बाद 16 घंटें, बच्चे इस कंटेंट को कभी भी एक्सेस कर सकते हैं। इसलिए शायद 11वीं क्लास का बच्चा एग्जाम से बचने के लिए दूसरी क्लास के स्टूडेंट का कत्ल कर देता है।

पैरेंट्स के पास समय नहीं है कि वे बच्चों पर नज़र रख सकें। दसवीं से बच्चों को सायबर सिक्योरिटी, नर्सरी के बच्चों को सायबर एटिकेट्स और सायबर हायजीन सिखाना ज़रूरी हो गया है। ये बातें सायबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट रक्षित टंडन ने वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्याल में कही। वे यहां साइबर डिफेंस काउंसिल में बतौर स्पीकर शामिल हुए थे। एनसीएसएसएस के एडवायज़री मेंबर शेख जे. अहमद सहित अन्य एक्सपर्ट्स ने भी संबोधित किया।

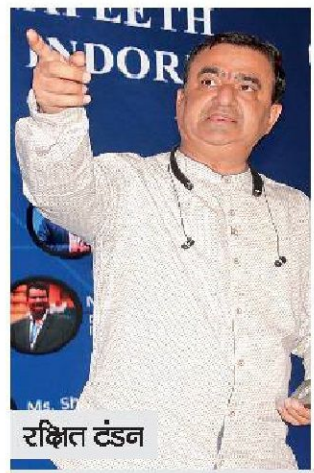
रक्षित टंडन

शेख जे. अहमद

डॉ. अमर प्रसाद

## एक लाख सायबर एक्सपर्ट्स की ज़रूरत है

शेख जे. अहमद ने कहा कि आज देश में एक लाख सायबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स की ज़रूरत है लेकिन लोग तैयार नहीं हैं। दस सालों में हमें करीब 20 लाख सायबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स की ज़रूरत होगी। युवाओं के लिए ये एक बेहतर करियर विकल्प हो सकता है।

## बैंकिंग के लिए उपयोग करें अलग मोबाइल

नेशनल सायबर सेफ्टी एंड सिक्योरिटी स्टैंडर्ड्स के डायरेक्टर जनरल डॉ. एस. अमर प्रसाद रेड्डी ने कहा कि आम आदमी के सबसे ज्यादा खतरा फायनेंशियल फ्रॉड का है। हमारे देश में डिजिटल लिट्रेसी बहुत कम है इसलिए सरकार को बैंकिंग के लिए पॉलिसी बनानी होगी। हालांकि इसका एक तरीका और हो सकता है कि आप ऑनलाइन बैंकिंग एक्टिविटी के लिए एक अलग मोबाइल नंबर का उपयोग करें। उसे किसी और काम में उपयोग ना लाएं।

Naidunia Date: 17.03.2018

## साइबर डिफेंस पर नेशनल कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने दी साइबर क्राइम से बचने की जानकारी

# 500 में बिकता है अरबों लोगों का डाटा

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

होटल या किसी और जगह पर जब भी आप अपना पहचान पत्र देते हैं तो यह डाटा सर्वर पर उपलब्ध हो जाता है। इसे डार्क डाटा कहते हैं। 1.7 अरब लोगों का यह डार्क डाटा महज 500 रुपए में बिकता है। आधार कार्ड में भी काफी सुधार की गुंजाइश है। इसे आसानी से हैक कर किसी भी व्यक्ति की जानकारी निकाली जा सकती है। सरकार भी इस दिशा में काम कर रही है। उक्त जानकारी साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेटर, साइबर सिक्योरिटी एंड डाटा प्राइवेसी कंसल्टेंट रीतेश भाटिया ने शुक्रवार को एक निजी इंजीनियरिंग संस्थान में साइबर डिफेंस पर आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस में दी। कॉन्फ्रेंस के मुख्य अतिथि एडीजी नार्कोटिक्स वरुण कपूर और एडीजी अजय कुमार शर्मा थे।

सिक्योरिटी के लिए आधार कार्ड में सुधार करने की जरूरत बताई

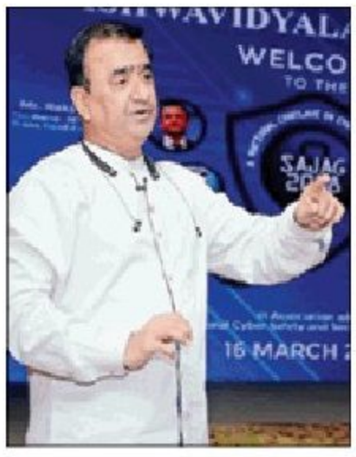


एडीजी शर्मा ने कहा कि आज हमें साइबर सिक्योरिटी से पहले साइबर क्राइम प्रिवेंशन पर ध्यान देना जरूरी है। एडीजी कपूर ने सिटीजन साइबर क्राइम की जानकारी दी। उन्होंने फाइनेंशियल, सोशल मीडिया और इंफॉर्मेशन क्राइम के बारे में जानकारी दी। नेशनल साइबर डिफेंस रिसर्च सेंटर के चेयर मेंबर शेख जावेद अहमद ने कहा कि साइबर सेल में आने के लिए किसी डिग्री की नहीं, बल्कि नॉलेज की जरूरत है। आज बैंकिंग, इंश्योरेंस, मिलिट्री, ट्रांसपोर्ट, मैन्युफैक्चरिंग आदि सभी सेक्टर में साइबर एक्सपर्ट की जरूरत है। यदि गंभीरता से देखा जाए तो देश में इस वक्त कम से कम एक लाख साइबर विशेषज्ञों की जरूरत है। इसके बाद भी इंजीनियरिंग संस्थान साइबर शिक्षा को महत्व नहीं देते हैं। भारत में सिर्फ 16 कम्युनिटी ऑफ साइबर लैब हैं।

**साइबर योद्धा तैयार कर रहा है इजराइल**

नेशनल साइबर डिफेंस रिसर्च सेंटर के काउंसिल ऑफ इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी के डायरेक्टर रक्षित टंडन ने एटीएम कार्ड नंबर, पासवर्ड, ओटीपी इंफॉर्मेशन को सुरक्षित रखने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोगों को क्राइम होने के पहले ही सतर्कता बरतनी जरूरी है। टंडन ने कहा कि अभी भी देश की न्यायप्रणाली में कई कानून बनना शेष हैं। साइबर क्राइम में एविडेंस की कमी होती है। आप इसराइल को देखिए, वहां पर 10वीं कक्षा से ही साइबर शिक्षा दी जाती है। इजराइल साइबर योद्धा तैयार कर रहा है और हमें भी इस तरह का सिस्टम अपनाने की जरूरत है। कॉन्फ्रेंस में वेंकटा सतीश गुटटूला और शैला खान ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

### देश में सिर्फ 30 प्रतिशत है साइबर साक्षरता

नेशनल साइबर सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड के महानिदेशक डॉ. अमर प्रसाद रेड्डी ने कहा कि साइबर सेल में शामिल विशेषज्ञों के पास थ्योरिटिकल नॉलेज तो है, लेकिन प्रैक्टिकल नहीं। उन्होंने आर्थिक साइबर क्राइम रोकने के लिए स्ट्रॉन्ग पॉलिसी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड से बचने के लिए बैंक को उपभोक्ताओं को मोबाइल से एसएमएस भेजना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज देश में साइबर साक्षरता महज 30 फीसदी है। पोर्नोग्राफी के बारे में उन्होंने कहा कि इस रोकना है तो बैन करना होगा।

# Patrika Date: 17.03.2018

वैष्णव विद्यापीठ में सिक्योरिंग साइबर वर्ल्ड 'सजग 2018' का आयोजन

# साइबर सिक्योरिटी में जॉब्स का बूम पर 95 प्रतिशत पद रह जाते हैं खाली

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ● आश्चर्य की बात है कि भारत में क्लर्क की एक वैकेंसी के लिए हजारों लोग आवेदन करते है, लेकिन साइबर

सिक्योरिटी से जुड़ी 100 वैकेंसी निकलने पर केवल पांच लोग ही आवेदन करते है। ये बहुत बड़ा अंतर है। भारत में हर साल कई इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स निकलते है, लेकिन साइबर सिक्योरिटी की फील्ड में संख्या एक प्रतिशत से भी कम है। हमारे पास 95 प्रतिशत वैकेंसी खाली रह जाती है। आने वाले 10 साल में 20 लाख से ज्यादा जॉब इस क्षेत्र में निकलने वाली है। इसके बावजूद साइबर सिक्योरिटी में स्टूडेंट्स की रुचि देखने को नहीं मिल रही है।

यह बात एनसीडीआरसी के चैयरमैन एवं साइबर सिक्योरिटी कंसल्टिंग विरटुसा के डायरेक्टर शेख जे अहमद ने वैष्णव विद्यापीठ में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेल सिक्योरिंग साइबर वर्ल्ड 'सजग 2018' में कही। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी में एक एक्सपर्ट के पास एक समय में तीन या चार से ज्यादा ऑफर्स होते है। हम चाहते है कि भारत साइबर सिक्योरिटी हब के रूप में उभर कर आए। वर्तमान स्थिति में भारत में 1 लाख साइबर साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट की जरूरत है।

## रिसोर्सेज की कमी

उन्होंने कहा कि हमारी सबसे बड़ी समस्या है कि साइबर सिक्योरिटी से जुड़ने के लिए क्या करना चाहिए इस बारे में जानकारी ही नहीं होती है। स्टूडेंट्स को लगता है कि ये बहुत मुश्किल और आउट ऑफ द वर्ल्ड है। एक साइबर एक्सपर्ट बनने के लिए सिर्फ साइबर स्किल्स का होना जरूरी होता है। हमारे यहां रिसोर्सेज की कमी है।

## सारे बैंक बंद कर दें मोबाइल इंफॉर्मेशन

साइबर सिक्योरिटी एंड सेफ्टी स्टैंडर्ड के डायरेक्टर जनरल अमरनाथ रेड्डी कार्यक्रम मे गेस्ट ऑफ ऑनर रहें। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम में बैंक फ्रॉड बहुत देखे जाते है। अगर सारे बैंक मोबाइल इंफॉर्मेशन देना बंद कर दें तो इससे बचा जा सकता है या बैंक कोई यूनीक नंबर का इस्तेमाल अपने कस्टमर्स से कनेक्ट होने के लिए करें। भारत में सिर्फ 40 प्रतिशत डिजिटल लिटरेसी है। कई लोगों को यही नहीं पता होता कि ओटीपी क्या होता है। इंटरनेट और सोशल मीडिया यूजर्स की एज वेरिफिकेशन का कोई जरिया नहीं है। छोटे-छोटे बच्चे आज साइबर क्राइम से जुड़ रहे हैं, इसकी वजह इंटरनेट है।

## इंदौर में शुरू होगा साइबर सिक्योरिटी कोर्स

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एडिशनल डायरेक्टर जनरल अजय शर्मा शामिल हुए। विशिष्ट वक्ता एडीजी तथा निर्देशक पीआरटीएस वरुण कपूर थे। निदेशक सुरक्षा रेडिफ डॉट कॉम वेंकट सतीश गुटुला ने वर्तमान साइबर दुनिया में साइबर सुरक्षा की तात्कालिक प्रतिक्रियाओं पर विवेचना की। साइबर क्राइम इनवेस्टिगेटर, साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट और डाटा प्राइवेसी कंसल्टेंट रितेश भाटिया ने इंटरनेट के खतरनाक डार्कनेट के बारे में जानकारी दी। अंतिम सत्र में साइबर सुरक्षा तथा जीआरसी सलाहकार टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शाहला खान ने रोबोटिक्स तथा कोग्निटिव ऑटोमेशन और साइबर सुरक्षा के भविष्य के बारे में बात की। वैष्णव विद्यापीठ विवि के कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी ने बताया कि साइबर सुरक्षा की आवश्यकता एवं विशेषज्ञों की कमी

तथा रोजगार की बढ़ती हुई मांग को समझते हुए विवि में 2018-19 से बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग स्पेशलाइजेशन इन इन्फॉर्मेशन एंड साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम को प्रारंभ किया जा रहा है।

## तय हो इंटरनेट यूजर्स की उम्र

काउंसिल ऑफ इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी के निदेशक एवं नेशनल साइबर डिफेंस रिसर्च सेंटर के मेंबर रक्षित टंडन ने कहा कि भारत में हर 10 मिनट में एक साइबर क्राइम हो रहा है, लेकिन नंबर ऑफ अरेस्ट कितना है। कितने पुलिस थानों में इससे जुड़े एक्सपर्ट है, ये बड़ा सवाल है। भारत में 70 प्रतिशत सोशल मीडिया यूजर्स 13 साल से कम के है। हाल में सरकार ने एक मीटिंग ली जिसमें सुझाव दिया गया कि 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चे को इंटरनेट का प्रयोग करने का अधिकार नहीं होना चाहिए। आज 8वीं क्लास की बच्ची का कोई वीडियो वायरल होता है तो इसमें दोषी कौन है, ये सोचने वाली बात है।

The Times of India Date: 17.03.2018

17/03/2018: THE TIMES OF INDIA : INDORE

TEN VEHICLES STOLEN EVERY DAY IN CITY, THIEVES TARGET POSH COLONIES, PARKING LOTS | 3

TIMES CITY

THE TIMES OF INDIA, INDORE | SATURDAY, MARCH 17, 2018

# Awareness must to prevent youth from falling into dark web: Experts

## Seminar on Cyber Security Held In City

Karishma.Kotwal
@timesgroup.com

**Indore:** MP has seen a number of cases related to personal data being compromised on dark web. MP cyber cell had recently unearthed a scam in which credit and debit card details of the locals were available online for as low as Rs 100.

Speaking about it, cyber experts at a seminar on cyber security held at Shri Vaishnav Vidhyapeeth Vishwavidyalaya claimed that the credit cards can be duplicated easily and used in different countries as they do not have a second factor authentication system there. The transactions are not based on OTP system. According to cyber expert Ritesh Bhatia, the accused, who stole the credit card details of people on dark web, used it abroad because second factor authentication is not followed in those countries.

"The moment you give them your credit card, they just swipe it and use it. This is the reason why the accused are stealing the information and using it elsewhere," he said.

Using a skimming device or a cloner, the data is transferred to a normal card and it is given the same look and feel and it can be used anywhere abroad, said the cyber expert.

"Without even looking at the CVV or the back side of the card, one can copy all the details of a credit card based on the information available on dark web," he said, adding that a chip-based card should always be preferred because it is comparatively difficult to hack it. Giving details about the dark web, Bhatia said that whatever internet is seen is just 4% of the World Wide Web, rest is deep and dark web. Dark web is a virtual underworld, where everything is anonymous and unmonitored, away from the prying eyes of intelligence and law enforcement agencies across the globe. Drug dealing, arms trading, hacking, prostitution, phishing, scams, frauds, terrorism and many such malicious activities are done anonymously via the dark web, which is a part of intricate networks of the deep web. "Even when I was skeptical on whether to speak to the youths about this topic, I feel there is an urgent need to make the generation aware about what can happen if they come in contact with such people," he said.

### GREY SHADES OVER WORLDWIDE WEB

**CYBERCRIMES ARE OF THREE TYPES:**

**Cyber warfare:** Related to terrorist activities across the globe
**Corporate cybercrimes:** Involve government and companies
**Citizen cybercrime:** Involves citizens

**CITIZEN CYBERCRIME**

**FINANCIAL THEFT**

**1. Password Based**

a. **Take It -** Wishing calls, debit cards, email spoofing, phishing sites

b. **Steal It** - virus injection, skimming, brute force attack software, juice jacking, femtocell, NFC Hacking

c. **Engineer It** - Facebook monitoring, social media monitoring, Google search examination and financial analysis

**2. Voluntary Scams**

a. **Take It -** job scams, lottery scams, relationship scams, romance scams, matrimonial scams, stock market scams, Nigerian scams, money mule-ing

b. **Forge It -** Ransom ware, sextortion

Seminar organized at Shri Vaishnav Vidhyapeeth Vishwavidyalaya on Friday

**INFORMATION THEFT**

**1. Direct from citizen –** Virus injection, insider theft, spear phishing, honey trapping, bugs introduction, pre-programming

**2. Database hacking –** Bank servers, i-cloud, Adhaar database, corporate servers

**SOCIAL MEDIA CRIMES**

1. Cyber Bullying, stalking, grooming, paedophile, obscenity, prank posting, inappropriate content, cyber terrorism, cyber spying, fake profiling, morphing

**2. Real world crimes –** e-pick pocketing, e-burgalary, murder, kidnapping, riots, rapes, eve-teasing, outraging modesty, intimidation, blackmailing, impersonation, defamation, communal and caste violence

# Need strong national policy to keep check on financial frauds

**Q&A**

**Dr S Amar Prasad Reddy**
Director general, national cyber safety and security standards

■ ***What is the key purpose of educating youths on cyber security and holding such seminars?***

**A:** The key thing is that we are lacking in resources in this sector. There is a heavy demand in the industry and we do have theoretically learned people but there is a lack of people with practical exposure. The purpose of our visit is to speak to students about career opportunities in this less explored field.

■ ***There has been increase in cyber-attack incidents. What should government do?***

**A:** For example if a private company, which takes care of government information, like IRCTC is hacked, government will face problem as it is their data which is on stake. It is hereby the duty of the government to make sure that everyone's data is safe.

■ ***How do you think bank details are being compromised on dark web?***

It is being done to a great extent. Banks are obviously not selling the data. The problem lies in third parties which collaborate with banks. Banks have a lot of third parties like credit card, loan and insurance that work for them and banks give their data to these companies. It is from here that the data is compromised.

■ ***How can such a thing be tackled? How does one save his bank details in such a scenario?***

A: India is based on rural economy and after Digital India movement most of the people have started doing online transactions. India, however, has only has 30% digital literacy. While most of the people say that they are digitally literate, only 5% are technocrats, rest are digitally illiterate. Banks cannot send messages saying don't give OTP to people living in rural India. They don't understand what OTP is. Instead, Central government can instruct bankers to not sell their products over phone, mail or messages.

■ ***How do the accused target people for online frauds?***

**A:** Even Karnataka ex-DGP, Armymen and some Central ministers have lost their money to financial frauds via phone calls. It is very natural that people would believe what the person says over the phone. So, instead of educating 1.3 billion people, we have to bring strong policy to cut down financial frauds and it can only be done on a national-level. The accused can avoid getting caught very easily. Adhaar cards of people living on the streets from a state far away are targeted, a bank account in his name is created and the amount is transferred in it. Police tend to catch such people, who will thereby be of no use and the main accused cannot be caught.

■ ***Mobile payment wallet scams are also on rise. How can residents make sure that they don't fall prey to such things?***

: We use all applications like banking, games, social networking and others on one smart phone. If one malware is put in your mobile phone, the entire phone can be hacked easily. Just a usual link to a song or a game can hack your phone and infest it with a malware. You should use two mobile phones. One should be used for bank transactions and emergencies and the other one for personal purpose. The personal number should not be shared with bank people and bank number should not be shared with the social contacts.

■ ***What do you think are the consequences of dark web and its usage?***

**A:** Data is a major thing for foreign countries and they are ready to shell out crores for it. Recently, 1.7 million data of a famous restaurant information company was compromised and sold to hackers for just Rs 500 on dark web. If such is the condition, you can imagine how vast is the dark web and how easy it is for people to steal information through it.

■ ***Many cases of cyber threats to youngsters are coming up. Would you like to share some anecdotes with them?***

**A:** Young girls face problems when objectionable videos are uploaded online. I receive many such complaints. What we don't know the video once uploaded on the internet is shared with 3 lakh servers simultaneously. It is like a supply chain and once shared, the video cannot be taken back. It is almost impossible to get it removed from the internet. We can make sure that it is not shown in India, but cannot take care of the rest.